

**Ch-6 कर चले हम फिदा**  
**पाठ्यपुस्तक के प्रश्न-अभ्यास**

**(क) निम्नलिखित कार्ड के उत्तर दें-**

**प्रश्न 1.**

**क्या इस गीत की कोई ऐतिहासिक लम्बाई है?**

**उत्तर-** हाँ, इस गीत की ऐतिहासिक शाखाएँ हैं। सन् 1962 में भारत पर चीन ने आक्रमण किया। युद्ध में कई सैनिक लड़ते-लड़ते शहीद हो गए। इसी युद्ध की बैक पर 'हकीकत' फिल्म बनी थी। इस फिल्म में भारत और चीन युद्ध की हकीकत संदिग्ध थी। यह गाना इसी फिल्म के लिए लिखा गया था।

**प्रश्न 2.**

**'सर हिमालय का मैंने नहीं दिया', इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?**

**उत्तर-** 'सर हिमालय का हिस्सा न बना दिया इस पंक्ति में हिमालय भारत के मान-सम्मान का प्रतीक है। 1962 में भारत चीन की पहाड़ी हिमालय के घाटियों में घिर गई थी। हमारे कई सैनिक इस युद्ध में लड़ते हुए वीरगति प्राप्त कर रहे थे। हिमालय की बर्फीली चोटियों पर भारतीय सील्स बहादुरी एवं बलिदान की होते हुए प्रमाणिकता की थी। भारतीय सेना के वीर जाँबाजों ने अपने प्राणों का बलिदान देकर भारत के सम्मान की रक्षा की थी।

**प्रश्न 3.**

**इस गीत में पृथ्वी को दुलहन क्यों कहा गया है?**

**उत्तर-** गीत में पृथ्वी को दुलहन इसलिए कहा गया है, क्योंकि सन् 1962 के युद्ध में भारतीय सैनिकों के बलिदानों से, उनके रक्त से धरती लाल हो गई थी, मानो पृथ्वी ने किसी दुलहन की भाँति लाल पोशाक पहन ली हो अर्थात् भारतीय सैनिकों के रक्त पूरी तरह से युद्धभूमि लाल हो गई थी।

**प्रश्न 4.**

**गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रह जाते हैं?**

**उत्तर-** जीवन भर याद रह जाने वाले गीतों में हृदय को स्पर्श करने वाली भाषा और संगीत का अद्भुत संगम होता है। जो व्यक्ति के अंतर्मन में स्वतः ही प्रवेश कर जाता है। इस तरह के गीतों के बोल सरल भाषा व प्रभावोत्पादक शैली में होना चाहिए ताकि वह व्यक्ति की जुबान पर आसानी से चढ़ सके। इन गानों का विषय जीवन के मर्मस्पर्शी कार्ड से छाया होना चाहिए। ऐसे गीत हृदय की गहराइयों में समा जाते हैं और इन गीतों की सुर, तरंगें संपूर्ण मन मस्तिष्क को सकारात्मकता से ओट-प्रोट कर देती हैं और गीत जीवन भर याद रह जाते हैं।

**प्रश्न 5.**

**कवियों ने 'साथियों' का बंधन का प्रयोग किया है?**

**उत्तर-** कवियों ने 'साथियों' का प्रयोग देशवासियों के लिए किया है, जो देश की एकता को प्रतिबिंबित कर रहा है। देशवासियों का संगठन ही देश को प्रगतिशील, विकसित तथा समृद्ध बनाता है। देशवासियों का परस्पर साथ ही देश की 'अनेकता में एकता' जैसी विशिष्टता को मजबूत बनाता है।

**प्रश्न 6.**

**कवि ने इस कविता में किस काफ़िले को आगे जीने की बात कही है?**

**उत्तर-** 'काफिले' शब्द का अर्थ है-यात्रियों का समूह। कवियों ने इस कविता में देश के लिए न्योछावर होने वाले अर्थात् देश के मान-सम्मान व रक्षा की खातिर अपने सुखों को त्याग कर, मर मिटने वाले बलिदानियों के काफिले को आगे बढ़ने की बात कही है। कवि का मानना है कि बलिदान का यह क्रम निरंतर जारी रहना चाहिए क्योंकि हमारा देश उसी तरह सुरक्षित रह सकता है, जब बलिदानियों के दस्तावेजों को नष्ट कर दिया जाता है और विजयश्री को हासिल कर आगे बढ़ जाते हैं।

**प्रश्न 7.**

**इस गाने में 'सर पर कफ़न कनेकटना' किस ओर संकेत करता है?**

**उत्तर-** इस गीत में 'सर पर कफ़न कपटना' देश के लिए अपना सर्वस्व अर्थात् संपूर्ण समर्पण की ओर संकेत करता है। सर पर कफ़न एन्क्रिप्टर चलने वाला व्यक्ति अपने प्राणों से मोह नहीं करता, बल्कि अपने प्राणों का बलिदान देने के लिए हमेशा तैयार रहता है इसलिए हर सैनिक सदा मरने को लगाने के लिए तत्पर रहता है।

**प्रश्न 8.**

**इस कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लेखनी है।**

**उत्तर-** प्रस्तुत कविता उर्दू के प्रसिद्ध कवि कैफ़ी आज़मी द्वारा रचित है। यह गीत फाइट बैंक पर आधारित फिल्म को देखने के लिए लिखा गया है। इस कविता में कवि ने उन सैनिकों के हृदय की आवाज को व्यक्त किया है, जिन्हें अपने देश के प्रति किए गए हर कार्य, हर कदम, हर बलिदान पर गर्व है। इसलिए प्रत्येक देशवासी से कुछ शंकराचार्य हैं कि इस संसार से विदा होने के कारण वे देश की आन, बान व शान पर आँच नहीं आएंगे, बल्कि समय आने पर अपना बलिदान देश की रक्षा करेंगे।

**(ख) निम्नलिखित का तात्पर्य स्पष्ट नहीं है-**

**प्रश्न 1.**

**सांस थमती गई, नब्ज़ जमती गई**

**फिर भी आगे बढ़ते हुए कदम को न जोखिम दिया**

**उत्तर-** भाव-इन निशान का मतलब यह है कि हमारे वीर सैनिक देश की रक्षा के लिए दिए गए अपने वचन का पालन करते हुए अपने जीवन के अंतिम क्षण तक करते रहे युद्ध में घायल इन सैनिकों को अपने प्राणों की जरा भी परवाह नहीं की। उनकी सांसें भले ही घिसी-पिटी और भीषण सर्दी की वजह से उनकी नब्ज़ भले जमती चली गई किसी भी स्थिति में उनकी मंशा डगमगाए नहीं। भारत मां की रक्षा के लिए उनके कदम न तो पीछे हटे और न ही रुके। वे अपनी अंतिम सांसों तक शत्रुओं का मुकाबला करते रहे।

**प्रश्न 2.**

**खींचो दो अपने खू से जमीं पर छत**

**इस तरफ आने वाले न रावन कोई**

**उत्तर-** इन अंशों का भाव है कि सैनिकों ने अंतिम सांस तक देश की रक्षा की। युद्ध में घायल हो जाने पर जब सैनिकों की सांसें अटक जाती हैं जैसे कि अंतिम समय पर आना और नब्ज़ के रुक रुक कर चलना, पकड़ में

आने पर भी उनका कदम नहीं रुकता, क्योंकि वे भारतमाता की रक्षा के लिए आगे बढ़ते रहते हैं और हंसते-हंसते अपने प्राण न्योछावर देते हैं।

**प्रश्न 3.**

**छू न पाए हुए सीता का दामन कोई**

**राम भी तुम, सीमित लक्ष्मण साथियो**

**उत्तर-** भ-इन प्रविष्टियों का भाव यह है कि भारत की भूमि सीता माता की तरह पवित्र है। इसके दमण को छूने का दुस्साहस किसी को नहीं होना चाहिए। यह धरती राम और लक्ष्मण जैसे अलौकिक वीरों की धरती है, जो सीमा पर रहते हैं, शत्रु रूपी रावण देश में प्रवेश कर देश की अस्मिता को लूट नहीं सकते। इसलिए हम देशवासियों को एक साथ देश की गरिमा को बनाए रखना है अर्थात् देश के मान-सम्मान व सभी साक्षरता की रक्षा करना है।